022 8000 400 37/5137 R.Nand M.A.I Sems 24/01/222

समाज मनोविज्ञान क्षेत्र का वर्णन इस प्रकार है —
(Scope of social psychology)

सामाजिक परिस्थिति में किये जाने वाले व्यवहारों को सामाजिक व्यवहार (social behaviour) कहा जाता है। समाज मनोविज्ञान में सामाजिक व्यवहार के बहुत से पहलुओं (aspects) का अध्ययन किया जाता है। अतः सामाजिक व्यवहार के भिन्न-भिन्न पहलू आपस में मिलकर समाज मनोविज्ञान के कार्यक्षेत्र (scope) का निर्माण करते हैं। व्याख्या इस प्रकार किया जा सकता है —

1.) मनोवृत्ति (Attitude) :- आलपोर्ट (Allport, 1966) के अनुसार मनोवृत्ति समाज मनोविज्ञान के कार्यक्षेत्र का एक प्रमुख अंग है। मनोवृत्ति में तीन तरह के तत्वों का एक संगठन (organization) पाया जाता है। जैसे: सामाजिक व्यवहार के भिन्न-भिन्न पहलू आपस में मिलकर see basic समाज मनोविज्ञान के कार्यक्षेत्र ये तीन तत्व हैं - संवेगात्मक तत्व (affective component), व्यवहारपरक तत्व (behavioural component) तथा संज्ञानात्मक तत्व (cognitive component)। इन तत्वों से मिलकर मनोवृत्ति का 'ABC' (ABC of attitude) कहा जाता है। समाज मनोविज्ञान में मनोवृत्ति के इन पहलुओं पर सबसे अधिक ध्यान दिया जा रहा है, वे तीन पहलू हैं — मनोवृत्ति में परिवर्तन (change in attitude), मनोवृत्ति का निर्माण (formation of attitude) तथा मनोवृत्ति का मापन (measurement of attitude), मनोवृत्ति में

M.A I Sem's K. Nand 24/01/2022

Date.........

Expt. No......... Page No.........

परिवर्तन की व्याख्या करने के लिए समाज मनोवैज्ञानिकों ने कई सिद्धांतों का प्रतिपादन किया है जिसमें हाइडर का सन्तुलन सिद्धान्त (Heider's Balance theory), फेस्टिंगर का संज्ञानात्मक विसंगतता का सिद्धांत (Festinger theory of cognitive dissonance), न्यूकाम्ब का A-B-X सिद्धांत (Newcomb's A-B-X theory) आदि प्रधान हैं। मनोवृत्ति के मापन के लिए मनोवैज्ञानिकों ने भिन्न-भिन्न प्रकार की मापनी विधियाँ (scaling methods) जैसे - थर्स्टन मापनी (Thurstone scale), लिकर्ट मापनी (Likert scale), गटमैन मापनी (Guttman scale), बोगार्डस (Bogardus scale) आदि का विकास किया है।

2. सामाजिक प्रत्यक्षण (Social Perception) -

सामाजिक प्रत्यक्षण आधुनिक समाज मनोवैज्ञानिकों का कार्यक्षेत्र का दूसरा प्रमुख पहलू है दूसरे व्यक्तियों की प्रेरणा (motivation), इच्छाओं, मनोवृत्ति से अवगत होकर तत्संबंधी ज्ञान प्राप्त करने की क्षमता को सामाजिक प्रत्यक्षण (social perception) की संज्ञा दी जाती है। इस कार्य-क्षेत्र समाज मनोवैज्ञानिकों का ध्यान मूलतः तीन पहलुओं पर अधिक गया है - व्यक्तिक प्रत्यक्षण (Person Perception), गुणारोपण (attribution) तथा अवाचिक संचार या सम्प्रेषण (non-verbal communication)। व्यक्ति प्रत्यक्षण (Person perception) एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति दूसरे व्यक्ति व्यक्तियों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर उसी के बारे में एक समग्र विचार (overall impression) निर्मित होता है।

Teacher's Signature : ....

P.T.O